नवभारत
भोपाल, मंगलवार, 17 मार्च, 2026

पानी की समस्या से जूझ रहे ग्राम पंचायत सागर के रहवासी

पानी की योजनाओं पर लाखों खर्च फिर भी बच्चों से लेकर ग्रामीण प्यासे, दो किमी दूर से ला रहे पानी

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। जिले की मुंगावली जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत सागर में जल संकट गहराया गया है, जिसके कारण ग्रामीणों को पानी के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। आलम ये है कि लोग अपने पानी की पूर्ति के लिए एक से दो किलो मीटर दूर खेतों पर बने कुआ अथवा ट्यूबबैल से पानी भरकर लाने को मजबूर है। जिसके चलते उनके ट्रेक्टरों में स्थाई रूप से पानी की नीली टंकी बांधी हुई है। गांव की नल जल योजना पूरी तरह ठप्प है, क्योंकि बोरो में पानी न होने की बजह से टंकी में पानी पहुंचता ही नहीं है। इसके अलावा स्कूल में जल जीवन मिशन के तहत रखी गई पानी की टंकी भी सूखी पड़ी हुई है।

दरअसल गर्मी की आहट शुरू होने के साथ ही जिले में जल संकट गहराने लगा है, लगातार भू-जल स्थर गिरने की बजह से जहां कुआ सूख गए है, तो वहीं ट्यूबवैल आदि ने जबाब दे दिया है। ऐसे में सबसे ज्यादा समास्या उन इलाकों में शुरू हो गई है, जहां पहले से पानी की किल्लत है। ऐसे ही एक गांव में शुमार है ग्राम पंचायत सागर जहां पहले से पानी की कमी है। तो वहीं अब गर्मी शुरू होने साथ ही जल संकट विकराल रूप लेने लगा है।

स्कूल से लेकर गांव की टंकी सूखी:

सरकार द्वारा बच्चो से लेकर ग्रामीणो को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाओ के माध्यम से उनके घरों तक पानी पहुंचाने का दावा किया जाता है, लेकिन हालत सरकार के दावों को बिल्कुल उलट है। जब नवभारत की टीम द्वारा सागर पंचायत में पानी की समस्या से जूझ रहे लोगों को लेकर पड़ताल की तो स्कूल भवन पर रखी पानी की टंकी से लेकर नल जल योजना के लिए बनाई गई पानी की टंकी सूखी देखी गई। स्कूल प्राचार्य सुरेंद्र जैन ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत स्कूल में टंकी बनवाये जाने के साथ ही वासवेसन लगवाया गया था, लेकिन विगत डेढ साल में इसमें पानी ही नहीं आया। जिसके कारण अन्य स्त्रोतों बच्चों से लेकर स्कूल स्टॉफ अपनी पानी की पूर्ति करता है। वहीं नल जल योजना के तहत गांव में डाली गई पाईप लाईन के जगह-जगह पर मुहं दिखाई देते है। लेकिन इनसे पानी की सप्लाई नहीं होती है, क्योंकि जो टंकी बनाई गई है, उसमें पानी नहीं पहुंच पाता है। उसकी मुख्य बजह से कई बार ट्यूबवैल खनन के बाद पानी न मिलना है। यह राहत की बात ये है कि सरपंच सहित कुछ अन्य ग्रामीणों के ट्यूबवैल से पानी निकाल रहा है, जिससे ग्रामीण अपनी पानी पूर्ति करते हुए नजर आते है।

सुविधाओं के नाम पर लाखों खर्च धरातल पर शून्य

सागर पंचायत पड़ताल के दौरान सामने आया है कि गांव में लोगों की सुविधा जनक पेयजल उपलब्ध कराने एवं उनकी प्यास बुझाने के लिए सरकार द्वारा लाखों रूपये खर्च किए गए, लेकिन लाखों खर्च करने के बाद ग्रामीणों को जो सुविधाएं मिलनी चाहिए थी, वह उपलब्ध नहीं हो सकी। जिसके चलते अंदाजा लगाया जा सकता है, कि किस तरह योजना के नाम पर लाखों रूपये की बंदरबांट जिम्मेदारों द्वारा की गई होगी। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में नल जल योजना का शुभारंभ हो गया है, लेकिन न तो उनके घरों में टोटिया लगाई है और न ही टंकी से पानी आता है।

इनका कहना है।

पंचायत में 80 से 90 लाख रूपये की नल जल योजना है, जिससे लोगो के घरों में पानी पहुंचाया जाता है, लेकिन इस समय पानी की समस्या ज्यादा रहती है। जिसके चलते सरपंच साहब के बोर से और टैंकर से लोगों को पानी उपलब्ध कराया जाता है। यदि किसी के यहां कार्यक्रम होता है, तो फिर टैंकर से पानी की सप्लाई नहीं की जाती है।

जगदीश यादव, सचिव
ग्राम पंचायत सागर।

मिन्स में संदीपनी विद्यालय के तीन छात्रों ने की परीक्षा उत्तीर्ण

नवभारत न्यूज

पिपरई। नगर के संदीपनी विद्यालय के कैंपस - 2 के तीन होनहार छात्रों ने मिन्स परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपने परिवार और विद्यालय का नाम रोशन किया है। शासकीय सीएम राइज विद्यालय के कक्षा 8 के छात्र निखिल पुत्र हरिओम कुशवाह, सक्षम पुत्र अमित सेन और राहुल पुत्र चुन्नीलाल कोरी ने वर्ष 2026 की राष्ट्रीय मेरिट मींस की परीक्षा पास की है। प्रधान अध्यापक रेखा विश्वकर्मा ने बताया की तीनों छात्रों को कक्षा 9 से 12 तक अध्यनरत रहने पर प्रतिवर्ष 12000 रुपए केंद्रीय सरकार की तरफ से मिलेंगे। छात्रों ने कड़ी मेहनत और लगन से पढ़ाई करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। परीक्षा में उत्तीर्ण होने की खबर मिलते ही परिजनों और शिक्षकों में खुशी का माहौल है। विद्यालय द्वारा छात्रो को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं परिजनों और परिचितों ने भी छात्रा की इस सफलता पर मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।

एक नजर में

फांसी के फंदे पर झूली 18 वर्षीय युवती

अशोकनगर। देहात थाना क्षेत्र के शंकर कॉलोनी में एक 18 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी जैसे ही परिजनों को लगी तो उन्होंने युवती को फंदे से उतारा और अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने युवती को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार रजनी पुत्री राधेश्याम अहिरवार ने रविवार शाम को अपने घर पर फांसी का फंदा लगा लिया, यह घटना उस समय हुई जब घर पर कोई नहीं था। जैसे की मृतिका की बहन घर पर पहुंची तो उसने युवती को फंदे से उतारा और घटना की जानकारी परिजनों सहित पुलिस को दी। वहीं सोमवार को मृतिका के शव का पोस्टमार्टम पुलिस द्वारा करवाया गया। इस मामलें में परिजनों ने बताया कि युवती की संगाई हो चुकी थी, जिसके चलते करीब दो दिन पहले उसका टीका फलदान हुआ था, युवती ने किस कारण यह कदम उठाया इसके बारे में किसी को कुछ पता नहीं है। फिलहाल पुलिस द्वारा मर्गकायम कर लिया है।

नवीन नलकूप खनन हेतु लेनी होगी अनुमति

अशोकनगर। वर्तमान में एवं आगामी ग्रीष्म ऋतु में जनता के लिए पीने के पानी एवं निस्तार की आवश्यकता पूर्ति के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाना है। जिले की समस्त तहसीलों के कुओं एवं नलकूपों का जल स्तर नीचे चले जाने के कारण पेयजल एवं निस्तार हेतु जल आरक्षित रखने के कारण नलकूप खनन का प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया जाना आवश्यक हो गया है। सम्पूर्ण जिले को मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 3 के अंतर्गत जल अभावग्रस्त घोषित किया जाये। कलेक्टर श्री साकेत मालवीय द्वारा सम्पूर्ण जिले को जल अभावग्रस्त घोषित किया गया है। सम्पूर्ण जिले को जल अभावग्रस्त घोषित किये जाने का आशय यह होगा कि इस कार्यालय की अनुमति के बिना कोई भी व्यक्ति किसी जलस्त्रोत यथा नदी, बंधान, जलधारा, जलाशय बंधान आदि से सिंचाई या अन्य औद्योगिक प्रयोजन हेतु उपयोग नहीं कर सकेगा। जिले को जल अभावग्रस्त घोषित किये जाने का आशय यह भी होगा कि कलेक्टर या इस संबंध में प्राधिकृत अन्य अधिकारी की अनुज्ञा के बिना कोई भी निजी नलकूप खनन नहीं किया जावेगा। जिले के सतही जल स्त्रोत नदी/नाले के डाऊन स्टीम में सतह के नीचे भूमिगत बहाव रोकने, कलेक्टिंग पाईप/रेडियल कलेक्टर बेल का उपयोग कर जल का उपयोग नहीं किया जावेगा।

रसोई गैस सिलेंडर न मिलने से नाराज लोगों ने किया चक्काजाम

जिले में बढ़ती जा रही रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत, परेशान हो रहे लोग, एजेंसी संचालकों की मनमानी

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। शासन, प्रशासन द्वारा भले ही दावे किये जा रहे हो कि रसोई गैस सिलेंडर की पर्याप्त मात्रा है, लेकिन इन दावो के उलट हकीकत कुछ और ही देखने को मिल रही है। जिसके चलते लोग रसोई सिलेडर के लिए इधर-उधर भटकते हुए नजर आते है। तो वहीं काफी भटकने के बाद भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहे है। जिसकी बजह से गैस उपभोक्ताओं में रोष पनप रहा है। ऐसा ही रोष सोमवार की दोपहर अशोकनगर के गुना रोड़ स्थित डीसी गैस गौदाम के पास देखने को मिला। जहां लोगों ने सिलेंडर न मिलने की बजह से सड़क पर गैस सिलेडर रखकर चक्काजाम कर दिया।

चक्काजाम की जानकारी जैसे ही अधिकारियों को लगी तो वह मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाइस दी, साथ ही उनके नाम और नंबर लिये गये और उन्हें घर पर सिलेडर पहुंचाने की बात कहीं गई। जिसके बाद लोग चक्काजाम से हटे। चक्काजाम कर रहे लोगों ने बताया कि गोदाम पर वह सुबह से सिलेंडर लेने के लिए खड़े है, लेकिन सिलेंडर उपलब्ध न होने की बात कहकर उन्हें मना कर दिया। जिसकी बजह से जहां उनके समय की बर्बादी हुई, तो वहीं उन्हें सिलेंडर नहीं मिला। वहीं कई उपभोक्ताओं ने डीसी गैस एजेंसी के संचालक पर सिलेंडर की कालाबाजारी करने का भी आरोप लगाया। लोगों ने बताया कि जिन लोगों ने निर्धारित दाम से ज्यादा रूपये दिए थे, उन्हें सिलेंडर उपलब्ध कराये गये है, लेकिन जिन लोगों ने पैसे ज्यादा नही दिये, तो वहीं सिलेंडर नहीं दिये गये।

पिपरई में उज्जवला कनेक्शनधारियों को कहा जा रहा फर्जी

पिपरई। मिडिल इस्ट में चल रहे युद्ध का असर कस्बे में देखने को मिल रहा है। जिसके चलते रसोई की किल्लत से लोगों को परेशान होते हुए देखा जा सकता है। तो वहीं गैस की किल्लत के बीच एजेंसी संचालक भी मनमानी पर उतार आए है और वह प्रधानमंत्री योजना के तहत वितरित किए गए उज्जवला कनेक्शनधारियों को फर्जी बता कर उन्हें सिलेंडर नहीं दे रहे है। जिसकी बजह से महिलाएं गैस की किताब लेकर इधर से उधर भटकते हुए नजर आती है, लेकिन फिर भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिला रहा है।

दरअसल क्षेत्र की महिलाओं को वर्ष प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत वर्ष 2019 में गैस कनेक्शन दिए गए थे। वहीं योजना में मुंगावली एजेंसी द्वारा भ्रष्टाचार किया गया था, जिसके चलते प्रशासन द्वारा इसे बंद कर दिया गया था और इन कनेक्शनों को बहादुरपुर की एजेंसी को दे दिया था। तब से इसी एजेंसी से निरंतर इन महिलाओं को सिलेंडर उपलब्ध होते थे, लेकिन गहराते गैस संकट के बीच अब एजेंसी द्वारा इन्हें सिलेंडर नहीं दिये जा रहे है। वहीं जब महिलाएं इन्हें लेने के लिए जाती है, तो उन्हें कह दिया जाता है कि आपके कनेक्शन फर्जी है। जिसके कारण महिलाओं को चूल्हे का सहारा लेना पड़ रहा है। क्षेत्र की मोनिका, शोभा, प्रीति, कीर्ति और शोभना आदि ने बताया कि उन्हें उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन मिले थे, लेकिन एजेंसी संचालक उन्हें फर्जी बता रहा है।

25 दिन में भी नहीं मिल रहा सिलेंडर, 45 दिन के आ रहे मैसेज, उलझन में उपभोक्ता

नवभारत न्यूज

मुंगावली। इस समय गैस सिलेंडर को लेकर उपभोक्ताओं में बड़ा असमंजस बना हुआ है, जहां प्रशासन द्वारा सिलेंडर बुकिंग के बाद सिलेंडर देने की बात कह रहा है तो वहीं दूसरी ओर अब मामला ग्रामीण और शहरी में उलझने लगा है दरअसल उपभोक्ताओं को अपने गैस की 25 दिनों में करना है ओर यह बुकिंग ऑनलाइन कराई जा रही है, मगर जब शहरी उपभोक्ता अपनी बुकिंग करते है तो उनको रिफिल का मेसेज का 45 दिन बाद का आ रहा है, जबकि जानकारी के अनुसार शहरी क्षेत्र में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्र में 45 दिन में गैस रिफिलिंग कर सकते है मगर दो दिनों से शहरी क्षेत्र के ऑन लाइन बुकिंग नहीं हो रही है, वहीं एजेंसी पर भारी भीड़ पहुंच रही है, एजेंसी से ही सिलेंडर ला रहे है वो काफी मशक्कत के बाद, हालांकि अभी रिफिलिंग को लेकर माहौल शांत बना हुआ है, इसके अलावा कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिलने से होटल संचालक और चाट ठेले वाले दुकानदारों ने डीजल भट्टी का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। दुकानदारों ने लड़की वाली भट्टी का उपयोग कर रहे है। वही सरकार ने कमर्शियल सिलेंडर पर जो रोक लगाई थी उसका हटा लिया गया है मगर अभी तक दुकानदारों को वह कमर्शियल सिलेंडर वितरित नहीं किए गए है। वही एसडीएम ने इस मामले में एजेंसी संचालक से जानकारी मांगी है।

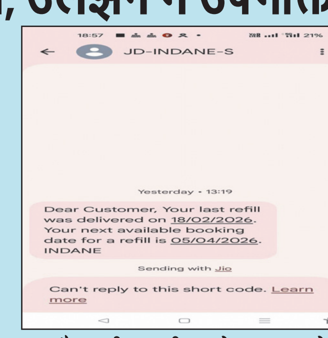

ऑनलाइन बुकिंग में 45 दिनों का मैसेज:

इस मामले का खुलासा तब हुआ जब शहरी उपभोक्ताओं ने 25 दिन होने पर अपने गैस सिलेंडर की बुकिंग ऑनलाइन की सारी प्रक्रिया को पूरा करने के बाद उनके पास 45 दिन में गैस रिफिलिंग करने का मेसेज आया है, जिससे वह चौक गए और अपनी समस्या एक दूसरे को बताते नजर आए है जैसे ही यह बात शहर में फैली तो कई उपभोक्ताओं ने ऑनलाइन बुकिंग की और सभी को अलग-अलग तारीख के मेसेज आए एक उपभोक्ता तो था जिसे 50 दिन बाद सिलेंडर रिफिल का मेसेज आया है इस मामले को यदि प्रशासन ने गभीरता से नहीं लिया तो आने वाले समय में यह एक बड़ी समस्या बनेगी और लोगों में आक्रोश पैदा होगा।

मांगों को लेकर बिजली कर्मचारी महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन में रखीं 12 सूत्रीय मांगे

भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में पहुंचा संघ

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। मध्यप्रदेश बिजली कर्मचारी महासंघ द्वारा अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है, लेकिन उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया जा रहा है। जिसके चलते सोमवार को भारतीय मजदूर संघ नेतृत्व में बिजली कर्मचारियों ने अपनी 12 सूत्रीय मांगो को लेकर एक ज्ञापन ऊर्जा मंत्री के नाम विद्युत मंडल के डीई देवेंद्र मेहरा को सौंपा। साथ सौपे गए ज्ञापन में चेतावनी भी दी गई कि यदि मांगो का निराकरण नहीं किया गया, तो बिजली कर्मचारी द्वारा चरणवद्ध आंदोलन किया जाएगा।

सोमवार को सौंपे ज्ञापन में मुख्य रूप से संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, नियमित कर्मचारियों की वेतन विसंगति, वन टाइम गृह जिला स्थानांतरण नीति लागू करना, आउटसोर्स श्रमिकों को हरियाणा एवं यूपी की तर्ज पर निगम मंडल की स्थापना करना, विद्युत पेंशनरों की पेंशन भुगतान राज्य कर्मचारियों की तरह कोषालय के माध्यम से भुगतान की व्यवस्था की जाने एवं मंडल के समय से नियुक्त मीटर रीडरों का संविलियन, साथ ही उच्च शिक्षा प्राप्त कर्मचारियों अधिकारियों की मांगे के साथ सभी वर्गों के कर्मचारीयों की मांगे रखी गई है। ज्ञापन में भारतीय मजदूर संघ जिलाध्यक्ष हैरी रघुवंशी, चिरंजीलाल शर्मा, हेमंत शर्मा, भरत व्यास, रितिक राठौर, पवन सोलंकी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित

अशोकनगर। बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम के तहत गठित जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक कलेक्टर साकेत मालवीय की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने जिले में विशेष अभियान चलाकर बाल श्रम के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम 1986 संशोधित नियम 2017 के कार्यप्रणाली, विमुक्ति, पुनर्वास एवं अधिनियम के अंतर्गत विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में आगामी कार्य योजना के अंतर्गत भिक्षावृति में लिप्त एवं स्कूल ड्रॉप आउट बच्चों के बारे में जानकारी ली।

व्यवसायिक उपयोग करने पर 6 सिलेंडर जब्त

नवभारत न्यूज

अशोकगनर। रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत के चलते सोमवार को चंदेरी एसडीएम के निर्देश पर चंदेरी के विभिन्न होटलों एवं रेस्टोरेंट पर छापामार कार्रवाई की गई। जहां टीम द्वारा व्यावसायिक उपयोग करते हुए आधा दर्जन सिलेंडर जब्त किये है।

दरअसल अनुविभाग चंदेरी अंतर्गत संचालित होटल एवं रेस्टोरेंट में घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध उपयोग की शिकायतें प्राप्त होने पर अनुविभागीय अधिकारी चंदेरी के निर्देशानुसार संयुक्त जांच दल द्वारा छापामार कार्यवाही की गई। जांच दल में तहसीलदार दिलीप दरोगा, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी संजीत सिंह, राजस्व निरीक्षक सत्येन्द्र पुरोहित तथा रविकुमार नगर के होटल एवं रेस्टोरेंट का निरीक्षण करते हुए कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने यादगार रेस्टोरेंट से 02, मोनू स्वीट्स से 01, राज भोजनालय से 01, जैन स्वीट्स से 01 और भोपाली चाइनीज सेंटर से 01 सिलेंडर जब्त किये है। जहा टीम ने घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध रूप से व्यावसायिक उपयोग करते हुए पाए जाने पर गैस सिलेडर जब्त किए गए तथा संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

कब्जा

सरकारी पुलिया पर कब्जा कर किया जा रहा भवन निर्माण

पानी निकासी के लिए बनी पुलिया पर किया जा रहा निर्माण, मोहल्लावासियों ने की शिकायत

नवभारत न्यूज

मुंगावली। भवन निर्माण कार्य को रोकने के लिए मोहल्ला वासियों द्वारा नगर परिषद में शिकायती आवेदन पत्र में दिया गया है, जिसमें बताया गया कि वार्ड क्रमांक 3 आदर्श कॉलोनी स्टेशन रोड़ स्थित पुलिया पर रामराज दांगी के द्वारा अतिक्रमण कर पुराव किया गया है साथ में पुराव करते समय नल की पानी की लाइन भी तोड़ी गई है जिसमें

मोहल्ले वासियों द्वारा समझाने पर नहीं मान रहे हैं जिसमें मोहल्ले वासियों द्वारा बताया कि बारिश के समय शहर का पानी जिसमें बस स्टैंड, आदर्श कॉलोनी से लेकर आसपास के कई वार्डों का बारिश का पानी भुजरियां तालाब में पुलिया के रास्ते निकलता है। जिसमें रामराज दांगी द्वारा अतिक्रमण कर मकान निर्माण किया जा रहा है, जिसमें आसपास के सभी मोहल्ले में पानी भरना शुरू हो जाएगा जिसके कारण कई समस्याएं उत्पन्न हो जाएगी। बही बार्ड क्रमांक 3 की पीने के पानी की लाइन भी इसी सरकारी पुलिया के पास से तोड़ दी गई है जिसके कारण पिछले दो दिनो से इस बढ़ती हुई तेज़ गर्मी में नल नहीं आ पाए हैं और मोहल्ला वासियों को पीने के पानी की किल्लत से जूझना पड़ रहा है वही इस समस्या को लेकर मोहल्ले वासी चिंचित बने हुए है। वहीं नपा ने सबंधित को नोटिस भी दिया है।

इनका कहना है।

शिकायत मिली थी जिसपर निर्माण कार्य रोक दिया गया है, वही पानी की सप्लाई लाइन भी क्षतिग्रस्त हुई है जिसका हर्जाना भी उन्हीं से किया जाएगा। स्पष्टीकरण न दिए जाने की स्थिति में संबंधित पर विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

विनय कुमार भट्ट,
सीएमओ नगर परिषद मुंगावली

रमजान का महीना आपसी प्रेम, सद्भाव और इबादत का प्रतीक है - मुफ्ती

अशोकनगर। रमजान का मुबारक महीना मुस्लिम समाज का पवित्र महीना का तीसरा और आखिरी असरा जहन्नुम की आग से हिफाजत का भी अंतिम दौर में है। जकात वा सदका के जरिए समाज के कमजोर तबके की मदद करें। रमजान हमें अनुशासन, सब्र और इंसानियत का पाठ पढ़ाता है, जिसे साल भर अपनी जिंदगी में लागू करना चाहिए। जामा मस्जिद के पेश इमाम मुफ्ती मोहम्मद आमिर ने बताया कि पवित्र महीना मुस्लिम समाज के लिए रहमत, बरकत और इबादत का सबसे अहम महीना माना जाता है। इस महीने में रोजा, नमाज, कुरआन की तिलावत ओर दान पुण्य का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। रमजान का महीना इंसान को सब्र संयम और आपसी भाईचारे का पाठ पढ़ाता है। समाज में प्रेम भाईचारे तथा सद्भाव को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि रमजान हमें यह भी सिखाता हे कि समाज के गरीब जरूरतमंद और कमजोर लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। इस पाक महीने में जकात ,सदका, खैरात दान के जरिए जरूरतमंदों की सहायता करना एक बड़ी इबादत मानी जाती है।